अखिल भारतीय गुजराती बलाई युवा संघ

(Formally Known as "Gujrati Balai Yuva Sangh")

Reg. No. 7/33/01/15788/19

आराध्य संत
श्री.श्री. 1008 परमपूज्य
श्री गौधरदास जी महाराज

शिक्षित-संस्कारित-विकसित समाज
अखिल भारतीय गुजराती बलाई युवा संघ
हमारा संकल्प
संगठित समाज
युवा शक्ति
संगठन सर्वोपरि

समाज में संगठन की आवश्यकता और महत्व

संगठित परिवार, समाज और देश का कोई भी दुश्मन या विरोधी कुछ नहीं बिगाड़ सकता, जबकि असंगठित होने पर दुश्मन या विरोधी जब चाहे आप पर हावी हो सकता है, आपका शोषण कर सकता है, अन्याय और अत्याचार कर सकता है और यह सब हम हमारे समाज में पूर्व से भी देखते आ रहे है। संगठन का समाज के प्रत्येक क्षेत्र में विशेष महत्व होता है, जबकि विखराव समाज के किसी भी क्षेत्र में अच्छा नहीं होता है।

संगठन का मार्ग ही मनुष्य की विजय का मार्ग है। यदि मनुष्य किसी गलत उद्देश्य के लिए संगठित हो रहा है तो ऐसा संगठन अभिशाप है, जबकि किसी अच्छे कार्य के लिए संगठन वरदान साबित होता है। प्रत्येक धर्म ग्रंथ संगठन और एकता का संदेश देता है। कोई भी धर्म आपस में बैर करना नहीं सिखाता। सभी धर्मो में कहा गया है कि मनुष्य को परस्पर प्रेमपूर्वक वार्तालाप और व्यवहार करना चाहिए। मनुष्य जब एकमत होकर कार्य करता है तो संपन्नता और प्रगति को प्राप्त करता है ठीक उसी प्रकार जब समाज एक मत होकर तथा संगठित होकर कार्य करता है, तो समाज संपन्नता और प्रगति को प्राप्त करता है। संगठन में प्रत्येक व्यक्ति का विशेष महत्व होता है, इसलिए जब मनुष्य संगठित होकर कोई कार्य करता है तो उसके परिणाम में विविधता देखने को मिलती है। जिस तरह प्रत्येक फूल–अपनी विशेषता और विविधता से किसी बगीचे को सुंदर व आकर्षित बना देते हैं उसी तरह मनुष्य भी अपनी–अपनी विशेषता और योग्यता से किसी भी कार्य को नया आयाम प्रदान कर सकते हैं।

यह भी संभव नही है कि किसी विषय पर सभी व्यक्तियों का मत एक जैसा ही हो, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति किसी विषय या समस्या को अपने नजरिये से ही देखता है और इसी आधार पर उसका समाधान भी खोजता है, लेकिन जब बात संगठन की आती है तब मनुष्य को वही करना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों का या समाज का भला हो। संगठन में प्रत्येक मनुष्य को अपनी व्यक्तिगत भावनाओं पर नियंत्रण करना होता है इसलिए संगठन में व्यक्ति को शारीरिक तौर पर ही नहीं, बल्कि मानसिक व बौद्धिक रुप से भी समर्पित होना पड़ता है।

युवा संघ की स्थापना कब और क्यों की गई?

अखिल भारतीय गुजराती बलाई युवा संघ के पूर्व समाज में ऐसा कोई सक्रीय संगठन नहीं था, जो समाज का प्रतिनिधित्व कर सके साथ ही गुजराती बलाई समाज को प्रदेश ही नही अपितु राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान दिला सके व समाज को अन्य अगड़ी समाजो की भाति वर्चस्व तथा मान–सम्मान के साथ स्थापित कर सके। यह भी युवा संघ की स्थापना का एक प्रमुख कारण रहा है।

युवा संघ के निर्माण के पीछे इसके संस्थापको के मन में समाज को लेकर जो पीड़ा थी कि आजादी के 72 वर्ष गुजरने के बाद भी समाज आज भी शिक्षा तथा संगठनात्मक रुप से बहुत ही पिछड़ा हुआ है। इसी पीड़ा को ध्यान में रखते हुए युवा संघ के संस्थापक श्री अशोक सोलंकी जी एवं श्री नवल सिंह ओसवाल जी ने समाज के वरिष्ठो के मार्गदर्शन में विधिवत युवा संघ की स्थापना 07 अप्रेल 2019 को उज्जैन में 37, श्री राम मंदिर, अंकपात रोड़, उज्जैन पर स्थित समाज की धर्मशाला में समाजजनों की उपस्थिति में की तथा यही स्थान आगे चलकर युवा संध का केन्द्रीय कार्यालय बना।

युवा संघ किस प्रकार का संगठन है?

अखिल भारतीय गुजराती बलाई युवा संघ एक शुद्ध सामाजिक, गैर राजनैतिक, किन्तु राजनैतिक उन्मुख संगठन है अर्थात शासन-प्रशासन की योजनाओं का लाभ समाज को मिले, आरक्षण की दृष्टि या राजनैतिक दृष्टिकोण से समाज कही पिछड़ तो नहीं रहा है, यह अर्थ होता है राजनैतिक उन्मुख संगठन का।

युवा संघ के निर्माण के पीछे इसके संस्थापकों की न तो कोई राजनैतिक महत्वकांशा थी और ना ही स्वयं के वर्चस्व या स्वप्रसिद्धी या समाज से किसी प्रकार के आर्थिक लाभ की इच्छा। युवा संघ मे व्यक्तिगत स्वार्थ, व्यक्तिगत वर्चस्व, स्वप्रसिद्धि , समाज से किसी प्रकार के आर्थिक लाभ अथवा स्वयं का महिमा मंडल व राजनैतिक महत्वकांशा जैसे स्वाथ पूर्ण क्रिया कलापो के लिए कोई स्थान नहीं है और ना ही ऐसे क्रियाकलापो को संगठन में स्वीकार किया जाता है।

संगठन में व्यक्ति विशेष को महत्व न देते हुए केवल और केवल समाज और संगठन सर्वोपरि की भावना को ध्यान मे रखते हुए समाज के संर्वागिण विकास के लिए तथा समाज को पुरे सम्मान के साथ अन्य अगड़ी समाजो के समकक्ष स्थापित करने के उद्देश्य से इस संगठन का निर्माण किया गया है जिसके लिए संगठन के संस्थापक तथा समस्त कार्यकारिणी सदस्य पूर्ण निष्ठा एवं मन, कर्म तथा वचन से प्रतिबद्ध एवं दृढ़ संकल्पित है।

युवा संघ का उद्देश्य एवं विचारधारा (हमारा संकल्प-'शिक्षित, संस्कारित, विकसीत तथा संगठित समाज')

आज हम 21 वी सदी में अपना पदार्पण कर चुके है, लेकिन हमारा समाज आज भी 19 वी सदी में जी रहा है, इस सच्चाई से हम मुह नहीं मोड़ सकते है,समाज में इस नई सदी कि नई ऊर्जा का संचार करने के लिए, हमे नए उर्जावान नेतृत्व की आवश्यकता है। समाज की आबादी का 70 प्रतिशत युवा वर्ग है, ऐसी स्थिति में युवाओं को समझने के लिए समाज के प्रतिनिधित्व की बागडोर युवाओं के हाथों में होनी चाहिये, चाहे वह समाज के किसी भी छोर से, तबके से या किसी भी घराने से आता हो।

आज जिस प्रकार युवा शक्ति का असंयमित, असंगठित और उद्देश्यहीन दोहन हो रहा है, वो किसी अनमोल धरोहर के व्यर्थ होने के समान ही है। आज समाज की बिखरे हुए ऊर्जा के स्त्रोत, समाज के युवाओ को संगठित और अनुशासित करके उनकी ऊर्जा को किसी सकारात्मक लक्ष्य और समाज उत्थान के कार्य हेतु अगर प्रयोग में लाया जाए, तो यह युवा शक्ति हर लक्ष्य को भेदती हुई, सफलता के नए आयाम गढ़कर समाज को भारतवर्ष मे एक ***शिक्षित, संस्कारित, विकसीत तथा संगठित समाज*** के रुप में स्थापित करने की क्षमता रखती है। आज समाज के बिखरे हुए लोगो को जोड़ना आवश्यक हैं , जो कि किसी न किसी वजह से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से दूर हैं या शायद आज तक उन्हें कोई सही मार्गदर्शन ही नहीं मिल पाया हो।

वजह चाहे जो भी रहीं हो, हमें सारी पुरानी चीजो को भूलते हुए तथा पूर्व में की गई त्रुटियों से सीखते हुए नई ऊर्जा एवं उत्साह से समाजहित में कूदना होगा। इस हेतु समाज के वरिष्ठ लोगो को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका दर्ज करवानी होगी, चूँकि हम हमेशा से ही अपने बड़े बुर्जुगो के पदचिन्हों पर अग्रसर होते आए है। इसके लिए समाज के बुद्धिजीवी लोगो को यह सोचना होगा कि किसी भी प्रकार से समाज की बिखरी हुई युवा ऊर्जा को संगठित करे। अपने आस पास के युवाओं को अपने-अपने व्यक्तित्व से प्रभावित करे और उन्हें भी समाजहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करे, तभी हमारी समाज का संर्वांगिण विकास सम्भव है। जो व्यक्ति समाज व राष्ट्र के विकास मे योगदान दे तथा नैतिक मूल्यों पर आधारित बेहतर समाज बनाने के लिए प्रयासरत रहे, वही व्यक्ति वास्तव में सुशिक्षित, संस्कारित तथा श्रेष्ठ व्यक्ति कहलाता है। युवा संघ का उद्भव समाज के ही चिंतनशील, ऊर्जावान एवं कुशल नैतृत्व वाले युवाओं द्वारा इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। अखिल भारतीय गुजराती बलाई युवा संघ का मूल उद्देश्य समाज को ***शिक्षित, संस्कारित, विकसीत तथा संगठित समाज*** के रुप मे स्थापित करना है।

अतः समाज के जिम्मेदार लोगो को अपनी सामाजिक तथा नैतिक जिम्मेदारी को समझते हुए समाज के मान सम्मान तथा वर्चस्व को हासिल करने की इस लड़ाई में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए तथा युवा संघ के साथ जुड़कर समाज को एक शशक्त राष्ट्रीय स्तर का संगठन बनाने की इस मुहिम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहिए क्योंकि यह कार्य किसी व्यक्ति विशेष या संगठन विशेष का ना होकर समाज का है। अतः समाज की भागीदारी आवश्यक ही नही बल्की वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार अनिवार्य भी है।

युवा संघ का भागीरथी प्रयास - '' सेक्टर योजना''

युवा संघ द्वारा सेक्टर योजना लागु की गई है जिसके अंर्तगत जिलो की तहसीलों में पाँच गाँव तथा शहरी क्षेत्रों में पाँच मोहल्लों का एक सेक्टर बनाया जा रहा है एवं प्रत्येक सेक्टर पर एक सेक्टर प्रभारी नियुक्त किया जा रहा है। जो अपने सेक्टर के प्रत्येक गाँव तथा मोहल्ले में दो प्रतिनिधि ग्राम अध्यक्ष तथा सचिव के रुप में नियुक्त कर रहे है तथा सेक्टर प्रभारी प्रत्येक गाँव / मोहल्ले में अध्यक्ष तथा सचिव के माध्यम से समाज में संगठन की आवश्यक्ता, महत्व एवं युवा संघ की विचारधारा तथा उद्देश्यों को समाज के घर-घर जाकर बता रहे है एवं उन्हें संगठन से जुड़ने हेतु प्रेरित कर रहे है, ताकि समाज का एक शशक्त एवं मजबूत संगठन का निर्माण किया जा सके।

सेक्टर योजना के चरण

प्रथम चरण	द्वितीय चरण	तृतिय चरण	चतुर्थ चरण
सेक्टर प्रभारी की नियुक्ति के पश्चात सेक्टर प्रभारी द्वारा अपने सेक्टर में प्रत्येक ग्राम / मोहल्ला अध्यक्ष व सचिव की नियुक्ति करना।	सेक्टर प्रभारी द्वारा ग्राम/मोहल्ला अध्यक्ष तथा ग्राम सचिव के साथ गाव / मोहल्ले में पम्पलेट वितरण एवं सर्वे कार्य करना।	इस चरण में सेक्टर प्रभारी तथा ग्राम / मोहल्ला अध्यक्ष व सचिव द्वारा घर-घर जाकर समाज में संगठन का महत्व एवं युवा संघ की विचारधारा एवं उद्देश्यों को विस्तृत रुप से बताना।	सेक्टर में उपरोक्त तीनों चरणों के समाप्त होनेके पश्चात ग्राम / मोहल्ला सभाओं का आयोजन करना।

युवा सघं की आगामी कार्य योजनाएँ

- युवा संघ द्वारा सेक्टर योजना के माध्यम से शीघ्र ही समाज के ऐसे प्रबुद्धजन जो शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा, तकनीक, कृषि, प्रशासन, कानून या व्यवसाय आदि श्रेत्रो से जुड़े है, उन्हें चिन्हीत करते हुए युवा संघ के अलग अलग प्रकोष्ठ तैयार किये जावेगे, जिनके माध्यम से समय-समय पर शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, व्यवसाय या शासन-प्रशासन की जन कल्याणकारी योजनाओं से समाज को अवगत कराना तथा युवाओं के साथ-साथ सभी वर्ग को सर्वणीम भविष्य के अवसर उपलब्ध कराना। जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य आदि भिन्न-भिन्न विभागों से जुड़े समाज के दक्ष एवं निपुर्ण समाज जनो के द्वारा समाज के विद्यार्थियों, व्यापारियों, उद्यमियों आदि को उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जावेगा
- शासन-प्रशासन के माध्यम से जिलों की प्रत्येक तहसील जहाँ हमारे समाज के लोग रहते है, उनके लिए सामुदायिक भवन का निर्माण शासन के सहयोग से करवाना।
- शिघ्र ही अखिल भारतीय गुजराती बलाई युवा संघ (भारत) के नाम से एक वेबसाईट जारी की जावेगी जिस पर समाज के लिए अनेकों सुविधाएँ उपलब्ध रहेगी जैसे - संगठन की सम्पूर्ण जानकारी, संगठन के क्रियाकलाप, वर्तमान एवं आगामी योजनाएँ, देश या विदेश के किसी भी कोने में बैठे समाजजन हेतु युवा संघ का सदस्य बनने हेतु ऑन लॉइन पंजियन एवं प्रमाण पत्र प्राप्त करने की सुविधा।
- समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों हेतु युवा संघ की वेबसाईट पर वैवाहिकी पेज की सुविधा जिस पर समाज के युवक-युवतियाँ अपना पंजियन कर सरलता से अपने लिये परिवार की सहमती से योग्य जीवन साथी चुन सकें।
- इसके अलावा भी भविष्य में युवा संघ समाज में कई नई कार्य योजनाएँ लेकर आने वाला है।

युवा संघ के कार्यों की प्रमुख चित्रमय झलकियाँ

उज्जैन-केन्द्रीय कार्यालय पर कार्यकारिणी बैठक (दिसम्बर 2019)

उज्जैन- 14 अप्रेल 2019 बाबा साहेब अम्बेडकर के जन्मदिन पर वाहन रेली

देवास-समाजजन को न्याय दीलाने हेतु देवास कलेक्टर, एस.डी.एम को ज्ञापन देते हुए (29 जून 2019)

धार मे प्रथम सभा लेते हुए (01 अगस्त 2019)

जिला देवास-पदभार एवं शपथग्रहण समारोह (04 अगस्त 2019)

ग्राम निपानिया सुनार मे सभा

जिला धार-कानवान मे पदभार एवं शपथग्रहण समारोह (03 नवंबर 2019)

झाबुआ -चल समारोह, पदभार एवं शपथग्रहण समारोह (05 जनवरी 2020)

जिला धार -चल समारोह एवं महिला जिला कार्यकारीणी पदभार एवं शपथग्रहण समारोह (23 फरवरी 2020)

आरक्षण को नौवी अनुसुचि में शामिल किये जाने हेतु युवा संघ द्वारा उज्जैन, देवास, इंदौर धार आदि

जिलों में

कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया गया।

सावेर -वाहन रेली एवं इन्दौर जिला तथा तहसील कार्यकारिणी का पदभार एवं शपथग्रहण समारोह (13 सितंबर 2020)

ग्राम मुंडला सुलेमान में युवा संघ की बैठक एवं पंजियन फाईल वितरण (02 अगस्त 2019)

युवा संघ की विशेषताएँ एक नजर में

- समाज का एक मात्र गैरराजनैतिक, शुद्ध सामाजिक राष्ट्रीय संगठन,
- संगठन और समाज सर्वोपरी की भावना रखने वाला संगठन, ना कि व्यक्ति सर्वोपरि की भावना वाला,
- संगठन को और समाज के महापुरुषों को आगे रखकर चलने वाला संगठन,
- समाज को संगठित कर, समाज का एक मजबूत और शक्तिशाली संगठन बनाने के उद्देश्य वाला संगठन,
- समाज को शिक्षित, संस्कारित, संगठित एवं विकसित समाज के रुप में स्थापित करने के उद्देश्य को लेकर बनाया गया संगठन,
- संगठन को चलाने में लगने वाले खर्च का वहन केवल संगठन के कार्यकारीणी पदाधिकारियों द्वारा ही किया जाता है, समाजजनो से चंदा या अनुदान नहीं लेने वाला समाज का एक मात्र संगठन,
- समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े समाज के अंतिम व्यक्ति को भी समान महत्व देने वाला संगठन,
- समाज के अंतिम समाजजन को संगठन से जोड़ने की भावना रखने वाला संगठन,
- बहुत ही कम समय में समाज में अपनी अद्वितीय पहचान तथा स्पष्ट एवं पारदर्शी छवि स्थापि करने वाला संगठन,
- प्रदेश के कई जिलों में गुजराती बलाई समाज को सम्मानपूर्वक अपनी पहचान दिलाने वाला संगठन,
- युवा संघ का कोई भी पदाधिकारी युवा संघ के कार्यक्रमों में मंच पर ना बैठते हुए समाज के साथ बैठता है। इसके पीछे युवा संघ का भाव यह है कि युवा संघ ने समाज का मंच समाज के वरिष्ठो, समाज की श्रेष्ठ प्रतिभाओं व समाज की मातृशक्ति के लिए बनाया है ना कि खुद के लिए,
- युवा संघ के कार्यक्रमों में पुष्प मालाएँ प्रतिबंधित है, सभी अतिथियों का स्वगात युवा संघ के प्रतीक चिन्ह से किया जाता है। (चल समारोह में होने वाले स्वागत को छोड़ कर)

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करे

जिला उज्जैन	जिला इन्दौर	जिला धार
9752715609	8085158181	9179930001
7805040179	9977034221	8085232525
9893662448	9009091955	9993504657
9753983392	9425345974	8982228001
9754849099		8770926378

जिला देवास	जिला झाबुआ
9171206382	9753380299
9893404347	9009636571
9926949069	9754242143

जिला रतलाम	जिला मंदसौर
7694920951	9893799711
6261408221	7354568735